केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मुंबई संभाग		
द्वितीय पूर्व परिषदीय परीक्षा 2024-25 सेट-1		
समय- 03 घण्टे कक्षा-10 वीं विषय-हिंदी (अ) अंक-80		
खण्ड- क अपठित बोध		
प्रश्न 1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-**	अंक
क	iv. कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।	1
ख	iv. कथन I, II, III और IV सही हैं।	1
ग	i. I ((1**,** II ((2**,** III ((3	1
घ	भारत सरकार ने 'जल जीवन मिशन' और 'जल शक्ति अभियान' जैसी योजनाएं शुरू की हैं**,** जिनका उद्देश्य जल संचयन**,** जल पुनर्भरण और जल स्रोतों के संरक्षण को बढ़ावा देना है। इन योजनाओं के माध्यम से**,** सरकार लोगों को जल संरक्षण की महत्ता समझाने और जल संकट को कम करने के प्रयास कर रही है।	2
ड़	पानी बचाने के लिए वर्षा जल संचयन, पानी का पुनः उपयोग और जल के सही प्रबंधन जैसी तकनीकों का प्रयोग करके भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है|	2
प्रश्न 2	**निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**	
क	ii. रवि (सूर्य)	1
ख	iv. कथन I, II, III और IV सही हैं।	1
ग	iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।	1
घ	इस काव्यांश में अरुण (सूर्य) को आशा और शक्ति का प्रतीक माना गया है। "क्षितिज" को संभावनाओं और नए मार्ग का संकेतक माना गया है**,** जो हर दिशा में सहारा और आशा प्रदान करता है।	2
ड़	इस काव्यांश में देश को मधुमय और संभावनाओं से भरा हुआ दिखाया गया है। रवि की किरणें हर दिशा में आशा और ऊर्जा का संचार करती हैं**,** जो देश के लोगों को नई दिशा और आत्मबल प्रदान करती हैं।	2
खण्ड- ख व्यावहारिक व्याकरण		
प्रश्न 3	निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य भेद पर आधारित **<u>किन्हीं चार</u>** प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए ।	4X1=4
क	सरल वाक्य	
ख	सूर्योदय होता है और प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है |	
ग	मेरे कमरे में एक बहुत पुरानी घड़ी है |	
घ	संयुक्त वाक्य	
ड़	विशेषण आश्रित उपवाक्य	
प्रश्न 4	निर्देशानुसार वाच्य पर आधारित ***<u>किन्हीं चार</u>*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए-	4X1=4
क	भाववाच्य	
ख	कर्मवाच्य	
ग	सरकार शिक्षा पर बहुत खर्च करती है |	
घ	मई महीने में शीला अग्रवाल को कॉलेज वालों द्वारा नोटिस थमा दिया गया |	
ड़	हम लोगों से कक्षा छोड़कर बाहर नहीं आया जा सका |	
प्रश्न 5	रेखांकित पद' -परिचय पर आधारित '***<u>किन्हीं चार प्रश्नों</u>***'के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-	4X1=4
क	(क) **<u>पढ़ती</u>**- सकर्मक क्रिया**,** स्त्रीलिंग, एकवचन**,** वर्तमानकाल	
ख	(ख) **<u>अर्चना ने</u>**- व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग**,**एकवचन**,**कर्ता कारक,'कहा' क्रिया की 'कर्ता'	
ग	(ग) **<u>देश –</u>** जातिवाचक संज्ञा**,** पुल्लिंग, एकवचन**,** भविष्य काल	
घ	(घ) **<u>चमकीले</u>**- गुणवाचक विशेषण, बहुवचन**,** पुल्लिंग**,** 'पर्दे' विशेष्य का विशेषता का सूचक	
ड़	(ङ) **<u>बहुत-</u>** अव्यय, परिमाण वाचक क्रियाविशेषण, 'हँसना' क्रिया का विशेषण	
प्रश्न 6	निर्देशानुसार अलंकार पर आधारित ***<u>किन्हीं चार</u>*** प्रश्नों के दीजिए-	4X1=4

क	अतिशयोक्ति (क)	
ख	उत्प्रेक्षा (ख)	
ग	उपमा (ग)	
घ	मानवीकरण (घ)	
ड़	रूपक (ङ)	
खण्ड-ग पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक		
प्रश्न 7	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए।	5X1=5
1	(iv) शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय संगीत का।	
2	(iv) कथन 2 और 3 सही है।	
3	(i) हनुमान जयंती के अवसर पर	
4	(iii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या है।	
5	(iii) काशी विश्वनाथ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए |	
प्रश्न 8	गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से ***किन्ही तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-	2X3=6
	(क) देश के स्वतंत्रता आंदोलन में मन्नू भंडारी ने घर की चारदीवारी लाँघकर हड़तालों, जुलूसों में भाग लेना शुरू कर दिया। उसने भरी सभा में जोरदार भाषण दिया। दूसरा उदाहरण- नवयुवकों ने आजाद हिंद फौज पर चलने वाले मुकदमों का विरोध किया। स्कूल, कॉलेज, दुकानें बंद करवा दी गईं । उस आंदोलन में मन्नू भंडारी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। (ख) खेतों में धान की रोपाई चल रही थी। बालगोबिन भगत भी एक-एक अँगुली से धान के पौधों को पंक्तिबद्ध करके रोप रहे थे। तभी उन्होंने मस्ती भरी तान छेड़ी। उनके गीत का स्वर इतना मनमोहक, ऊँचा और आरोही था कि वह सीधे आकाश में स्थित परमात्मा को टेरता प्रतीत होता था। उसे सुनकर खेतों में उछल-कूद मचाते बच्चों में एक मस्ती आ गई। मेड़ों पर बैठी औरतों के होंठ गाने के लिए बेचैन हो उठे। हल चलाने वाले किसानों के पैर संगीत की थाप पर चलने लगे। इस प्रकार उनके संगीत का जादू सारे वातावरण पर छा गया। * (ग)पेट की आग बुझाने के लिए जिस व्यक्ति ने आग का आविष्कार किया और तन ढंकने के लिए सुई-धागे का आविष्कार किया, ऐसे लोग संस्कृत थे। **गौतम बुद्ध या माँ के समान दूसरे का दुख दूर करने वाला मनुष्य भी संस्कृत होता है। दोनों की भावना 'संस्कृति' कहलाती है। (घ)पानवाला स्वभाव से हँसोड़ है। इसलिए वह चश्मेवाले की देशभक्ति का मजाक उड़ाता है। उसकी हरकतों पर हँसता है। किंतु एक दिन जब वह मर जाता है तो उसे महसूस होता है कि उस कस्बे में अब सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति पर चश्मा लगाने वाला कोई नहीं रहा। केवल वही एक देशभक्त था। इस बात को याद करके उसकी आँखों में आँसू आ गए।	
प्रश्न 9	**निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-**	5X1=5
(1)	(iv) बिना पलक झपकाए	
(2)	(iii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।	
(3)	)ii (बच्चे की माँ ने	
(4)	)iv) (I), (II) और) III) सभी	
(5)	(iii) उगते हुए दाँतों की मुसकान	
प्रश्न10	पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-	2X3=6
क	गोपियाँ योग-साधना को नीरस, व्यर्थ और अवांछित मानती हैं। उनके अनुसार योग-साधना प्रेम का स्थान नहीं ले सकती। प्रेमीजन योग-मार्ग द्वारा नहीं, प्रेमपूर्ण समर्पण के बल पर ही ईश्वर को पा सकते हैं। उनके अनुसार, योग-साधना तो उनके प्रेम की दीवानगी में बाधा है। यह उन्हें	

	उनके कृष्ण से दूर ले जाती है। इसीलिए योग का नाम सुनते ही उनकी विरह ज्वाला और अधिक भड़क उठती है। उन्हें योग-साधना एक बला प्रतीत होती है।	
ख	परशुराम ने अपने गुरु शिवजी के धनुष को तोड़ने वाले गुरुद्रोही की तुलना सहस्रबाहू से की थी। परशुराम अपने गुरु की अवहेलना सहन नहीं कर सकते थे। श्रीराम ने अनजाने में इस धनुष को तोड़कर उनके गुरु का अपमान किया था।	
ग	संगतकार के माध्यम से कवि किसी भी कार्य अथवा कला में लगे सहायक कर्मचारियों और कलाकारों की ओर संकेत कर रहा है। ये सहायक कलाकार स्वयं को महत्त्व न देकर मुख्य कलाकार और मुख्य व्यक्ति के महत्त्व को बढ़ाने में अपनी शक्ति लगा देते हैं।	
घ	कवि बादलों की गर्जना का आह्वान करके इस संसार के व्याकुल, उदास और ताप से पीड़ित दुखी लोगों को सुख देना चाहता है। कवि का मानना है कि बादलों की गर्जना से एक नए उत्साह और शक्ति का सृजन होता है। वर्षा-जल से लोगों को शीतलता एवं तृप्ति मिलती है।	
प्रश्न11	**पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए-**	4X2=8
क	भोलानाथ हमेशा अपने पिता के साथ ही रहते थे। उनके साथ घूमने जाते थे और सोते भी उनके साथ थे। जब भोला बाबू जी के साथ घर में आते तो खाना भी उनके साथ बैठकर खाते थे। लेकिन माता जी को ऐसा लगता कि भोलानाथ ने कम खाया है। वे हमेशा कहतीं कि जब बच्चा बड़ा-बड़ा कौर खाएगा तो दुनिया में स्थान पाएगा। माँ के हाथ से खाने पर बच्चों का पेट भरता है। माँ तोता, मैना, कबूतर, हंस, मोर आदि के बनावटी नाम से कौर बनाकर यह कहते हुए खिलाती कि जल्दी खा लो नहीं तो ये सब उड़ जाएँगे। भोला जल्दी-जल्दी खा लेते।	
ख	यूमथांग की यात्रा करते हुए लेखिका ने रास्ते में सफ़ेद बौद्ध पताकाएँ देखीं। रास्ते में एक कुटिया के भीतर घूमता धर्मचक्र है, जिसे घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं। इससे सिद्ध हो जाता है कि चाहे मैदान हो या पहाड़, वैज्ञानिक क्षेत्र में तरक्की करने के बावजूद भी इस देश की आत्मा एक जैसी ही है। लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास, पाप-पुण्य की अवधारणाएँ और कल्पनाएँ एक जैसी ही हैं। लेखिका की इस अनुभूति से अनेकता के बीच सद्भाव, भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता, संस्कृति ,विविध धार्मिक परंपराओं के प्रति लगाव जैसे जीवन मूल्य प्रकट होते हैं, जो हमारे भारत देश को एक सूत्र में बाँधे रखने में सहायक हैं।	
ग	लेखक ने हिरोशिमा नामक कविता का उदाहरण देते हुए इस तथ्य को स्पष्ट किया है कि अनुभूति अनुभव से गहरी चीज़ है। वास्तव में लेखक भीतरी विवशता से प्रेरित होकर ही लिखता है। यदि बाहरी दबाव को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि वह भी दबाव नहीं रह जाता, बल्कि आंतरिक प्रकाश का कारण बन जाता है। अनुभूति कल्पना और संवेदना के सहारे उस सत्य को अंतरात्मा में ग्रहण कर लेने का नाम है जो लेखक के साथ घटित नहीं हुआ है, परंतु वह आत्मा में उतर कर अनुभूति रूप से प्रत्यक्ष हो जाता है और भीतरी विवशता को जन्म देता है। यही भीतरी विवशता उसे लेखन की प्रेरणा देती है।	
खण्ड-घ रचनात्मक लेखन		
प्रश्न12	**अनुच्छेद लेखन** • भूमिका 1 अंक • विषयवस्तु 3 अंक • निष्कर्ष 1 अंक • भाषा-शुद्धता 1 अंक	6X1=6
प्रश्न13	**पत्र – लेखन** •प्रारूप (प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएं) 1 अंक • विषयवस्तु 3 अंक * भाषा शुद्धता 1 अंक	5X1=5
प्रश्न14	**स्ववृत लेखन** • प्रारूप 1 अंक . • विषयवस्तु 3 अंक	5X1=5

	* भाषा शुद्धता 1 अंक **ई- मेल** * प्रारूप 1 अंक • विषयवस्तु 3 अंक * भाषा शुद्धता 1 अंक	
प्रश्न15	**विज्ञापन लेखन** • रचनात्मक प्रस्तुति 1 अंक • विषयवस्तु 2 अंक * भाषा शुद्धता 1 अंक **संदेश लेखन** • रचनात्मक प्रस्तुति 1 अंक • विषयवस्तु 2 अंक • भाषा शुद्धता 1 अंक	4X1=4

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मुंबई संभाग

पूर्व परिषदीय परीक्षा -2 (2024-25) **सेट-2**

कक्षा-दसवीं हिन्दी-(अ) (कोड 002)

निर्धारित समय:- 3 घंटे **अधिकतम अंक -80**

उत्तर कुंजी

खण्ड – क (अपठित गदयांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए | [7]

1. (2) कथन (क) और (ग)
2. (क) शिक्षा और गुरु के माध्यम से
3. (घ) उनकी पत्नी
4. शिक्षा के दो स्वरूप हैं | एक के माध्यम से जीविकोपार्जन तो दूसरे से जीवन-साधना संभव होती है | दोनों में परिपूर्णता गुरु के माध्यम से ही होती है |
5. जीविकोपार्जन की शिक्षा पाकर यह संसार बड़ा सुखमय प्रतीत होता है और जलते हुए दीपक के प्रकाश जैसा वह बाहरी जीवन में भी प्रकाश पाता है |

2. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए | [7]

1. (ख) तिनका-तिनका जोड़कर
2. (घ) घर-घर जाकर फूल खिलाने वाले
3. (4) कथन (क) और (ग)
4. मानव और दानव के बारे में कवि का विचार यह है कि दोनों में भेद नज़र नहीं आता | वे एक समान लगते हैं | इनमें केवल कर्मों का अंतर होता है | मानव के कर्म अच्छे व आँसू पोछने वाले होते हैं जबकि दानव के कर्म बुरे होते हैं | दानव विध्वंस करते हैं |
5. दूसरों के लिए आग बिछाने वाले खुद उसमें जल जाते हैं |

खण्ड - ख (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार किन्हीं चार के उत्तर लिखिए | [4X1=4].

1. वह बाज़ार जाकर केले लाया |
2. जो विद्यार्थी साहसी होते हैं , वे उन्नति करते हैं |
3. पान खाते ही वह चकराकर गिर पड़ा |
4. **आश्रित उपवाक्य** – जैसा बच्चे बना लेते हैं |

भेद – विशेषण आश्रित उपवाक्य

5. (ग) (1) –(ii) (2) - (i) (3)- (iii)

4. निर्देशानुसार किन्हीं चार के उत्तर लिखिए - [4X1=4]

1. (क) (1) – (i) (2) - (iii) (3)- (ii)
2. नेताजी द्वारा सभा की अध्यक्षता की गई |
3. छात्र हँस नहीं सकते |
4. भाववाच्य
5. कर्मवाच्य

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए - [4X1=4]

1. उड़ रहें हैं – क्रिया, अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, वर्तमान काल |

2. निबंध - जातिवाचक संज्ञा , पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक |

3. मोहन - व्यक्तिवाचक संज्ञा , पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक |

4. **वाह!** - विस्मयबोधक अव्यय, प्रसन्नतासूचक भाव की अभिव्यक्ति |

5. **मैं** - पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, 'हो जाऊँ' क्रिया का कर्ता |

6. निम्नलिखित काव्यांशों के अलंकार भेद पहचान कर लिखिए - (किन्ही चार) [4X1=4]

1. रूपक अलंकार 2. उत्प्रेक्षा अलंकार 3. उपमा अलंकार 4. मानवीकरण अलंकार
5. ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं ।

7.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए|[5x1=5]

1. (घ) खेतों में धान के पौधे लगाए जा रहें हैं |
2. (ग) हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं |
3. (ग) स्वर को ऊँचा-नीचा करते थे |
4. (ख) जादुई संगीत के साथ गुनगुनाने के लिए |
5. (क) रोपनी करने वालों की

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- [2x3=6]

(क) हालदार साहब बार-बार इस बात के बारे में सोच रहे थे कि जो कौम अपने देश के लिए घर-गृहस्थी-जवानी-जिंदगी सब कुछ होम कर देने वालों का मज़ाक उड़ाती है उसका भविष्य क्या होगा ? अर्थात् जहाँ देशभक्ति को मूर्खता समझा जाता हो और नैतिकता को त्यागकर स्वार्थ, अवसरवादिता

अपनाने को आदर्श माना जाता हो, उस देश का भविष्य अंधकारमय ही है | हालदार साहब के ऐसा सोचने में विक्षोभ व हार्दिक पीड़ा का भाव था|

(ख) लेखिका की माँ अनपढ़ थीं | पिताजी की प्रत्येक इच्छा और बच्चों की हर उचित-अनुचित फरमाइश को पूरा करना अपना धर्म मानती थी | लेखिका स्वतंत्र विचारों वाली, अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग थीं इसलिए मजबूरी में लिपटा माँ का त्याग और सहनशीलता पूर्ण स्त्री होने के बावजूद भी उनका आदर्श नहीं बन पाया |

(ग) संस्कृति अध्याय के आधार पर नव-प्रवर्तन (आविष्कारक) करने वाला व्यक्ति ही सही अर्थों में सुसंस्कृत कहलाता है |

(घ) बिस्मिल्ला खां के व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

i. बिस्मिल्ला खां विनम्रता की पराकाष्ठा थे | सर्वश्रेष्ठ शहनाई वादक होने के बाद भी वे बिना थके घंटों संगीत का रियाज़ करते थे |

ii. उनका स्वभाव निश्छल था | उनकी हँसी बच्चों के समान भोली और मासूम थी |

- अध्यापक अपने विवेक से जाँच करें |

9.निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए – [5x1=5]

1. (ख) श्रीकृष्ण

2. (क) जिनका मन चकरी के समान चंचल है |

3. (ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है |

4. (ग) जैसे उनके मुँह में कड़वी ककड़ी चली गई हो |

5. (2) कथन (ख) और (ग) सही है |

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - [2x3=6]

(क) फागुन मास में प्रकृति का सौंदर्य अपने चरम पर होता है | ऐसा कोई सहृदय नहीं जो इससे अभिभूत हुए बिना रह सकता हो | फागुन में वसंत की मादकता, प्रफुल्लता चारों ओर छाई रहती है | कवि प्रकृति-प्रेमी है | उसे प्रकृति के कण-कण में सुंदरता नज़र आती है | उसका हृदय कोमल है इसलिए वह फागुन की सुंदरता से आँख नहीं हटा पा रहा है |

(ख) फसल के लिए पानी बेहद आवश्यक है | नदियाँ अपने साथ जो खनिज बहाकर लाती हैं वे उनके पानी को अमृत बना देते हैं जो किसी जादू के भाँति फसलों में आकार, रस, गंध, स्वाद आदि की भिन्नता

पैदा करते हैं | इसमें अनेक व्यक्तियों के परिश्रम तथा सेवा के साथ-साथ बीज-खाद व मिट्टी का भी योगदान होता है | विभिन्न प्रकार की मिट्टियों की विशेषताओं के अनुसार फसलों का स्वरूप बनता है | अत: फसल इन सभी के सम्मिलित योगदान की महिमा है |

(ग) गायन में संगतकार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है | संगतकार मुख्य गायक का साथ देकर उसकी प्रस्तुतियों को समृद्ध बनाता है | उसकी भूमिका केवल प्रदर्शन में सहयोग देने तक सीमित नहीं है; वह गायक का उत्साह बनाए रखने और उसे अकेलेपन का अहसास न होने देने में योगदान देता है | जब मुख्य गायक अनहद में खो जाता है, तो संगतकार स्थायी को संभालकर उसकी मदद करता है, जिससे गायक को समर्थन और आत्मविश्वास मिलता है | इस प्रकार संगतकार की भूमिका गायक के प्रदर्शन को सशक्त और संतुलित बनाने में महत्वपूर्ण होती है और वह पूरी प्रक्रिया को सफल और प्रभावी बनाता है |

(घ) लक्ष्मण ने परशुराम को वीर योद्धा के लक्षण बताते हुए कहा कि वीर योद्धा कभी भी धैर्य को नहीं छोड़ता | वह युद्ध में अपनी वीरता का प्रदर्शन, शत्रु से युद्ध करके करता है | वीर योद्धा रणभूमि में शत्रु का वध करता है | वह कभी भी अपने मुख से अपनी बड़ाई नहीं करता और न ही अपशब्द बोलता है |

(अध्यापक अपने विवेक से जाँच करें)

11.पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए | [4x2=8]

(क) "मैं क्यों लिखता हूँ " पाठ के आधार पर लेखक स्पष्ट रूप से दो कारणों से लिखता है –

***भीतरी विवशता से-** कभी-कभी कवि के मन में ऐसी अनुभूति जाग उठती है कि वे उसे व्यक्त के लिए अधीर हो उठते हैं |

*कभी -कभी लेखक संपादकों के आग्रह से, प्रकाशकों के दबाव तथा आर्थिक लाभ के लिए भी लिखते हैं | लेकिन दूसरा कारण लेखक लिए जरूरी नहीं है |

पहला कारण अर्थात् मन की पीड़ा ही उनके लेखन का मूल कारण बनती है |

(ख) प्राकृतिक जल संचय की व्यवस्था में सुधार एवं सरकार द्वारा निम्न कदम उठाए गए हैं-

सुधार के कार्य –

*वर्षा–जल संग्रह को बढ़ावा देना|

*भूमिगत जल का संचयन करना तथा पानी को प्रदूषित होने से बचाना |

*तालाब, कुएँ, आदि की मरम्मत करके तथ नए तालाब, कुएँ आदि बनवाना |

सरकार द्वारा उठाए गए कदम –

*जल-संरक्षण हेतु जन-जागरूकता अभियान |

*भूमिगत जल के दुरुपयोग पर रोक |

*वर्षा जल-संग्रह को प्रोत्साहन तथा जल-संग्रह के लिए तालाब आदि बनवाना |

(ग) वर्तमान खेल-खिलौने की तुलना में पाठ में वर्णित खेल-खिलौने सामाजिक मेल-मिलाप , आपसी सहयोग, अपनेपन तथा समूह भावना को बढ़ावा देने वाले थे | खेल सामग्री सहज, प्राकृतिक और स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी होती थी | इनसे शारीरिक-मानसिक विकास होता था |

आज के माता-पिता बच्चों को प्लास्टिक के खिलौने खरीदकर लाते हैं लेकिन स्वयं रुचि नहीं लेते | बच्चे इलेक्ट्रानिक खिलौनों से खेलकर अपने स्वास्थ्य की हानि तो करते ही हैं साथ ही हिंसक खेलों को खेलने से व्यवहार से भी उग्र होते जा रहें हैं इसलिए वे सहज आनंद और खेल के असली सुख से वंचित रह जाते हैं |

(अध्यापक अपने विवेक से जाँच करे)

खण्ड-घ रचनात्मक लेखन [6x1=6]

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए |

(निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लेखन के अंक प्रदान करें)

भूमिका एवं विषयवस्तु – 3 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रस्तुति - 1 अंक

निष्कर्ष - 1 अंक

13. (निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर पत्र लेखन जाँचकर के अंक प्रदान करें|) [5x1=5]

आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1 अंक

विषय वस्तु - 3 अंक

भाषा - 1 अंक

14. आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1 अंक **[5x1=5]**

विषय वस्तु - 3 अंक

भाषा - 1 अंक

15. आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1 अंक **[4x1=4]**

विषय वस्तु - 2 अंक

भाषा - 1 अंक

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मुंबई संभाग

द्वितीय पूर्व परिषदीय परीक्षा 2024-25 सेट-3

समय- 03 घण्टे **कक्षा-10 वीं विषय-हिंदी (अ) अंक-80**

खण्ड- क अपठित बोध

प्रश्न 1	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-	अंक
क	iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।	1
ख	ii. कथन I, II और III सही हैं।	1
ग	**i.** 1 (1). II (2). III (3)	1
घ	चंद्रयान -1 की प्रमुख उपलब्धियों में चंद्रमा पर पानी की उपस्थिति की पुष्टि शामिल है। इसने चंद्रमा की सतह से महत्वपूर्ण डाटा भी एकत्र किया, जिससे भविष्य में मिशनों के लिए नई दिशा मिली।	2
ड़	चंद्रयान-3 मिशन की सफलता भारत के लिए महत्वपूर्ण थी क्योंकि इसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की । यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक बड़ी उपलब्धि थी और इससे अंतरिक्ष अनुसंधान में भारत की साख और मजबूत हुई ।	2
प्रश्न 2	निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-	
क	(ख) अकिंचन	1
ख	(घ) ये समस्त पदार्थ	1
ग	(क) घास	1
घ	भारत माता उसके मस्तक को स्वीकार कर ले।	2
ड़	भारत माता चरणों की धूल उसके भाल पर मल दे । उसके शीश पर भारत माता के आशीष की छाया बनी रहे ।	2

खण्ड- ख व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 3	निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य भेद पर आधारित **<u>किन्हीं चार</u>** प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए ।	4X1=4
क	मिश्रवाक्य	
ख	बांस न रहने पर बांसुरी भी नहीं रहेगी ।	
ग	विशेषण उपवाक्य	
घ	उसने हालदार साहब का प्रश्न सुना और आंखों ही आंखों में हंसा / हंस पड़ा।	
ड़	संयुक्त वाक्य: - मुँह में भर आए पानी का घूंट गले से उतर गया और नवाब साहब ने फाँक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया।	
प्रश्न 4	निर्देशानुसार वाच्य पर आधारित ***<u>किन्हीं चार</u>*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए-	4X1=4
क	बालगोबिन भगत कबीर के पद गाते थे |	
ख	एक संस्कृत व्यक्ति से निठल्ला नहीं बैठा जा सकता |	
ग	एक संस्कृत व्यक्ति के द्वारा/ द्वारा /से किसी नई चीज की खोज की जाती है|	
घ	अकर्मक	
ड़	1-ii, 2-iii, 3-i	
प्रश्न 5	रेखांकित पद' -परिचय पर आधारित '***<u>किन्हीं चार प्रश्नों</u>***'के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-	4X1=4
क	वे - विशेषण, सार्वनामिक, पुल्लिंग, बहुवचन	
ख	सुंदर - गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, चित्र विशेष्य	
ग	खेल रहा है - सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल	
घ	पढ़ रहें हैं - सकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, पुल्लिंग	
ड़	सुबह-सुबह – अव्यय, कालवाचक क्रियाविशेषण	
प्रश्न 6	निर्देशानुसार अलंकार पर आधारित ***<u>किन्हीं चार</u>*** प्रश्नों के दीजिए-	4X1=4
क	"सुनत जोग लागत है ऐसौ ज्यौं करुई ककरी" **उत्प्रेक्षा**	
ख	"प्रीति-नदी में पाँव न बोरयौ' पंक्ति में " **रूपक अलंकार**	
ग	"तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा। बार बार मोहि लागि बोलावा|" **उत्प्रेक्षा अलंकार**	
घ	"'यह दंतुरित मुस्कान, मृतक में भी डाल देगी जान" **अतिशयोक्ति अलंकार**	
ड़	**मानवीकरण अलंकार**	

खण्ड-ग पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक		
प्रश्न 7	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए।	5X1=5
1	(क) मूर्ति को देखकर नेताजी से जुड़ी यादें ताज़ा हो जाने के कारण	
2	(घ) सुभाष चन्द्र बोस	
3	(घ) कथन 1, 2 और 4 सही हैं	
4	(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है|	
5	(घ) चश्मे की	
प्रश्न 8	गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से ***<u>किन्ही तीन</u>*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-	2X3=6
	(क) कोई नकारात्मक मनुष्य नेताजी के चश्मे बदलने को मज़ाक कह सकता है। वह चश्मेवाले कैप्टन को पागल कह सकता है | एकाध नकारात्मक मनुष्य उसे नेताजी के अपमान में गालियाँ भी दे सकता है और उस पर मुकदमा भी दर्ज कर सकता है। उसे कैप्टन की देशभक्ति नहीं दिखाई देगी, उसका मजाक दिखाई देगा। कोई अफलातून ऐसा भी हो सकता है जो यह कह कि कैप्टन सुभाष की मूर्ति पर चश्मे लगाकर अपने चश्मों का विज्ञापन करता है। ऐसी टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण ही कहलाएगी। (ख) जब बालगोबिन भगत का इकलौता बेटा मरा तो उसने उसे आँगन में एक चटाई पर लिटाया और सफेद कपड़े से ढाँक दिया। उसके ऊपर फूल और तुलसी बिखेर दी। सिरहाने एक दीपक जला दिया। उसके सामने जमीन पर बैठ कर भगत जी अपने पुराने स्वर और तल्लीनता के भाव से गीत गाते रहे। गाते-गाते वे बीच में कहते कि यह रोने का नहीं उत्सव मनाने का समय है। आत्मा और परमात्मा का मिलन हुआ है, विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली है, सबसे बड़ा आनंद का समय यही है। (ग) नवाब साहब ने खीरा इसलिए खरीदा होगा, ताकि यात्रा का समय व्यतीत हो जाए। परंतु जब उन्होंने अपने सामने शहर के ही एक अन्य भद्र व्यक्ति को देख लिया तब उन्होंने यह सोचकर खीरा नहीं खाया होगा कि नवाब होते हुए खीरे जैसी साधारण वस्तु खाने पर इस व्यक्ति की नजर में मेरा सम्मान कम हो जाएगा। (घ) लेखिका का माँ के साथ लगाव सहानुभूति के कारण उत्पन्न हुआ था। अपने बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश और ज़िद को पूरा करना उनकी विवशता बन जाती थी। पिता जी की ज्यादतियों के प्रति उनकी सहिष्णुता में भी उनकी असहायता की झलक मिलती थी। उस प्रकार की मजबूरी और असहायता को लेखिका के विवेक ने कभी स्वीकार नहीं किया। इसी कारण उसने माँ के इन गुणों को अपना आदर्श नहीं बनाया।	
प्रश्न 9	**निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-**	5X1=5
(1)	(ग) केवल कथन 4 सही है|	
(2)	(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है|	
(3)	ख) कथन 2 और 3 सही हैं |	
(4)	(घ) आह्वान गीत	
(5)	(ख) आकाश	
प्रश्न10	पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-	2X3=6
क	कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की कविता 'अट नहीं रही है' में कवि की आंखें फागुन की सुंदरता से नहीं हट पा रही हैं, क्योंकि फागुन में प्रकृति का सौंदर्य इतना मनमोहक होता है कि वह आंखों में समा नहीं पा रहा है: • फागुन में प्रकृति का सौंदर्य अपने चरम पर होता है | · फागुन में पेड़ों पर नए पत्ते आ जाते हैं | · फागुन में रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं | · फागुन में सुगंधित हवाएं चलती हैं | · फागुन में पक्षी आकाश में उड़ान भरते हैं | · फागुन में चारों ओर खुशहाल वातावरण होता है | · फागुन में हर जगह सौंदर्य बिखरा होता है | · फागुन की सुंदरता इतनी मनमोहक होती है कि वह आंखों में समा नहीं पाती | · फागुन की सुंदरता इतनी मंत्रमुग्ध करने वाली होती है कि आंखें उसे स्वीकार नहीं कर पातीं |	

ख	गोपियों की यह इच्छा मन की मन में रह गई कि वे अपने मन की पीड़ा, अपने प्रेम के विरह की पीड़ा को श्रीकृष्ण को बताना चाहती थीं, लेकिन जब उद्धव जी उन्हें योग का संदेश देने लगे तो वे अपने मन की पीड़ा को बता नहीं पाईं। श्रीकृष्ण के प्रति उनकी विरह-वेदना उनके मन में ही दबी रह गयी।	
ग	आत्मकथ्य' कविता में कवि ने उस सुखद स्वप्न का वर्णन किया है, जब स्वप्न में उसकी अपनी प्रेयसी से भेंट हुई थी । रक्तिम कपोलों एवं अलौकिक सौंदर्य से सुशोभित उसकी प्रेयसी उनके जीवन में अनुराग बिखेर रही थी ।	
घ	परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए ये तर्क दिए: - · धनुष बहुत पुराना था और राम के हाथ लगाते ही टूट गया । · बचपन में हमने भी कई धनुष तोड़े थे, लेकिन तब तो आप इतना गुस्सा नहीं हुए थे । · हमें तो सभी धनुष एक जैसे लगते हैं । · राम ने इसे नया समझकर छुआ था, लेकिन कमज़ोर होने के कारण यह टूट गया। · राम ने इसे तोड़ा नहीं, बस उनके छूते ही यह टूट गया । · इस धनुष को तोड़ते हुए उन्होंने किसी लाभ या हानि के बारे में नहीं सोचा था । · यह तो सिर्फ़ एक धनुष है, फिर इसके लिए इतना ज़्यादा गुस्सा क्यों कर रहे हैं । · जो धनुष छूते ही टूट गया हो, उसके टूटने में किसका दोष हो सकता है ।	
प्रश्न11	**पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए-**	4X2=8
क	तीस्ता नदी के किनारे बिखरे पत्थरों पर बैठे हुए लेखिका के मन में जैसे एक नया बोध जाग्रत हो रहा था। उसे लग रहा था कि सुख-शांति और सकून वहीं है, जहाँ अखंडिता और संपूर्णता है। पेड़, पौधे, पशु-पक्षी, मनुष्य आदि सबकी अपनी एक लय और गति है। यह लय और गति अपने मूल और स्वभाव में बनी रहे, इसी में सबकी भलाई है।	
ख	**विद्यार्थी पिता के स्वभाव को बच्चे के खेल के प्रति सकारात्मक और नकारात्मक दोनों रूप में व्यक्त कर सकता है अतः शिक्षक स्वविवेक से जांच करें |**	
ग	हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है। इस अणु-विस्फोट ने सारी मानवता को झकझोर कर रख दिया। इसने विज्ञान की कुरूपता को उजागर कर दिया। इसी घटना के बाद विज्ञान को अभिशाप माना जाने लगा। इसने विज्ञान की शक्ति का दुरुपयोग किया। हमारी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग निम्नांकित क्षेत्रों में हो रहा है- (क) विज्ञान ने टी.वी. का दुरुपयोग बढ़ाया है। अब टी.वी. केवल शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मनोरंजन का माध्यम न होकर हिंसा परोसने का माध्यम बनता जा रहा है। विज्ञान का नवीनतम आविष्कार है- आधुनिक तकनीक से युक्त मोबाइल जिसमें पूरी दुनिया सिमट कर रह गई है। इस प्रकार के फोन का दुरुपयोग निरंतर बढ़ता चला जा रहा है। (ग) विज्ञान ने लोगों की मानसिक शांति छीन ली है। विज्ञान का संबंध केवल बुद्धि से ही है, हृदय से नहीं। (घ) विज्ञान की सहायता से अनेक स्टिंग आपरेशन चलाए गए हैं। कई बार तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया गया, जिससे कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों की छवि धूमिल हुई है।	
खण्ड-घ रचनात्मक लेखन		
प्रश्न12	**अनुच्छेद लेखन** • भूमिका 1 अंक • विषयवस्तु 3 अंक • निष्कर्ष 1 अंक • भाषा-शुद्धता 1 अंक	6X1=6
प्रश्न13	**पत्र – लेखन** •प्रारूप (प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएं) 1 अंक • विषयवस्तु 3 अंक * भाषा शुद्धता 1 अंक	5X1=5
प्रश्न14	**स्ववृत लेखन** • प्रारूप 1 अंक	5X1=5

	. • विषयवस्तु 3 अंक * भाषा शुद्धता 1 अंक **ई- मेल** * प्रारूप 1 अंक • विषयवस्तु 3 अंक * भाषा शुद्धता 1 अंक	
प्रश्न15	**विज्ञापन लेखन** • रचनात्मक प्रस्तुति 1 अंक • विषयवस्तु 2 अंक * भाषा शुद्धता 1 अंक **संदेश लेखन** • रचनात्मक प्रस्तुति 1 अंक • विषयवस्तु 2 अंक • भाषा शुद्धता 1 अंक	4X1=4

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मुंबई संभाग

प्रथम पूर्व परिषदीय परीक्षा 2024-25, सेट-1

समय- 03 घण्टे **कक्षा-10 वीं** **विषय-हिंदी (अ)** **अंक-80**

सामान्य निर्देश :-

क. सभी प्रश्नों के अंक सामने दिए हुए हैं।
ख. दिये गये निर्देशों का पालन करें तथा स्वच्छता पर ध्यान दें।
ग. प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं और सभी अनिवार्य हैं।
घ. सभी प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमानुसार लिखिए ।

खण्ड- क अपठित बोध

प्रश्न 1	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-**	**अंक**
	तुलसी जैसा कवि काव्य की विशुद्ध, मनोमयी, कल्पना-प्रवण तथा श्रृंगारात्मक भावभूमियों के प्रति उत्साही नहीं हो सकता। उनका संत-हृदय परम कारुणिक राम के प्रति ही उन्मुख हो सकता है, जो जीवन के धर्ममय सौंदर्य, मर्यादापूर्ण शील और आत्मिक शौर्य के प्रतीक हैं। विजय-रथ के रूपक में उन्होंने संत-जीवन की रूपरेखा उभारी है और अपनी रामकथा को इसी संतत्व की चरितार्थता बना दिया है। उनका काव्य भारतीय जीवन की सबसे बड़ी आकांक्षा मर्यादित जीवन-चर्या अथवा 'संत-जीवन' को वाणी देता है। धर्ममय जीवन की आकांक्षा भारतीय संस्कृति का वैशिष्ट्य है। तुलसी के काव्य में धर्म का अनाविल, अनावृत और अक्षुण्ण रूप ही प्रकट हुआ है। मध्य युग की आध्यात्मिकता का प्रतिनिधित्व करते हुए भी उनका काव्य भारतीय आत्मा के चिरंतन सौदर्य का प्रतिनिधि है, जो सत्य, तप, करुणा और मैत्री में ही आरोहण के देवधर्मी मूल्यों को अनावृत करता है। उनके काव्य में हमें श्रेष्ठ कवित्व ही नहीं मिलता, उसके आधार पर हम संत-कवित्व की रूपरेखा भी निर्धारित कर सकते हैं। भक्ति उनके जीवन की आंतरिक भाव-साधना है। इस भाव-साधना की वाणी की अप्रतिम क्षमता देकर उन्होंने निष्कंप दीपशिखा की भाँति अपनी काव्य-कला को नि:संग और निर्वैयक्तिक दीप्ति से भरा है।	
क	**निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए** 1) तुलसी मनोमयी, कल्पना-प्रवण तथा श्रृंगारात्मक कवियों में अग्रणी हैं। 2) तुलसी जी एक सच्चे संत हैं। 3) तुलसी जी का काव्य भारतीय आत्मा के चिरंतन सौंदर्य का प्रतीक है। 4) तुलसी जी ने श्रीराम का मर्यादित रूप प्रस्तुत किया है। उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं? (i) 1 और 2 (ii) 2,3 और 4 (iii) 1 और 3 (iv) केवल 4	1
ख	**गद्यांश के आधार पर बताइए कि कवि तुलसी में किसके प्रति उत्साह नहीं है?** (i) भक्ति-भाव को अभिव्यक्त करने के प्रति (ii) धर्ममय जीवन जीने के प्रति (iii) विशुद्ध एवं कल्पनामय काव्य प्रणयन के प्रति (iv) संत कवि के प्रणयन के प्रति	1
ग	**कथन (A) और कारण (R)को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए ?** **कथन (A) तुलसी के राम मर्यादा पुरुषोतम है |** **कारण (R) तुलसीं के राम जीवन के धर्ममय सौंदर्य, मर्यादापूर्ण शील और आत्मिक शौर्य से परिपूर्ण हैं।** (i) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है | (ii) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं| (iii) कथन (A)सही है और कारण (R) कथन (A)की सही व्याख्या है| कथन (A)सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है|	1
घ	**तुलसी के काव्य में भारतीय जीवन की कौन-सी सबसे बड़ी अभिलाषा व्यक्त हुई है ?**	2
ड़	**तुलसी के काव्य में धर्म का कैसा रूप प्रकट हुआ है ?**	2
प्रश्न 2	निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-	
	कोटि-कोटि उर-सुर से माता! तेरा सब करते अभिनंदन- पाप- शाप सब शांत शमन कर, दर्प-द्वेष, दुख-दैन्य हवन कर	

	शांति त्याग सत- सुंदर शिव की जले विश्व में जोत निरंतर कोटि-कोटि उर-सुर से माता! तेरा सब करते अभिनंदन। स्वर्ण बने मनुजों की संसृति और अखंडित हो यह संस्कृति, सभी चढ़े सोपान प्रगति के, कहीं न हो जीवन की दुर्गति, सबके सुख में व्यक्ति सुखी हों, कहीं न हो जन का दुख- क्रंदन कोटि-कोटि उर-सुर से माता! तेरा सब करते अभिनंदन।	
क	**कवि किसके विनाश की प्रार्थना कर रहा है-** 1.मद, मोह एवं लोभ की 2. दर्प, द्वेष और दुःख - दैन्य के 3.शांति और त्याग के 4. क्रोध, आवेश और कपट के	1
ख	**कवि विश्व में किस ज्योति की कामना कर रहा है-** 1.ज्ञान और आध्यात्मिक की 2. तमनाशिनी प्रभा की 3.सत्यम शिवम और सुंदरम की 4. प्रेम और एकता की	1
ग	**कथन और कारण पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनिए-** **1.कथन (A) -**मनुष्य को सबके सुख में सुखी रहना चाहिए। **2.कारण (R) -**कहीं भी दुख का क्रंदन नहीं होना चाहिए। 1.कथन **A** सही है किंतु कारण **R** गलत है। 2.कथन **A** और कारण **R** दोनों गलत है। 3.कथन **A** गलत है किंतु कारण **R** सही है। 4. कथन **A** व कारण **R** सही है और कारण **R** कथन **A** की सही व्याख्या है।	1
घ	**'सब उन्नति को प्राप्त करें।'** -यह भाव किस पंक्ति में है?	2
ड़	कविता में कवि व्यक्ति के लिए क्या कामना करता है ?	2
	खण्ड- ख व्यावहारिक व्याकरण	
प्रश्न 3	निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य भेद पर आधारित **<u>किन्हीं चार</u>** प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए ।	4X1=4
क	**'जब मैं घर पहुंचा भाई साहब चले गए थे।'-**वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए ।	
ख	**'मॉरीशस की स्वच्छता देखकर मन प्रसन्न हो गया।'-**वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलिए ।	
ग	**मैंने उस व्यक्ति को देखा जो पीड़ा से कराह रहा था।'-**वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरित करें ।	
घ	निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य पहचान कर लिखिए - 1. वह मैच हार गया। 2. जहां वह गया, तुम भी वहीं जाओ। 3. जीतने वाला व्यक्ति सिकंदर है। 4. वह बीमार था इसलिए नहीं आया।	
ड़	सूची 1 को सूची 2 से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर लिखिए - **सूची 1** **सूची 2** 1. सूर्य उदय हुआ और पक्षी चहचहाने लगे अ.सरल वाक्य 2. मेरे कमरे में एक पुरानी घड़ी है। ब. मिश्र वाक्य 3. जब तुमने कहा तब मैं घर गया था। स. संयुक्त वाक्य	
प्रश्न 4	निर्देशानुसार वाच्य पर आधारित **<u>किन्हीं चार</u>** प्रश्नों के उत्तर दीजिए-	4X1=4
क	**'हालदार साहब ने पान खाया।'**-उपर्युक्त वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए-	
ख	**'पक्षी बाग छोड़कर नहीं उड़े।'-**उपर्युक्त वाक्य को भाववाच्य में बदलिए –	
ग	**निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाक्य चुनकर लिखिए -** 1.छात्रों द्वारा सभी का स्वागत हुआ। 2.छात्रों से सभी का स्वागत करवाया गया। 3.छात्रों ने सभी का स्वागत किया। 4.छात्रों द्वारा सभी का स्वागत किया जाएगा।	
घ	निम्नलिखित वाक्यों में **भाववाच्य** का उदाहरण चुनकर लिखिए - 1. बच्चे खेलेंगे। 2. हमसे चला जा सकता है। 3. यह मेज मुझसे टूट गई। 4. हमसे रोज़ नहाया जाता है।	

ड़	सूची 1 को सूची 2 से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर लिखिए - **सूची 1** **सूची 2** 1 बच्चे चुप नहीं बैठते। अ. कर्मवाच्य 2. हमसे यहां नहीं रहा जाता ब. कर्तृवाच्य 3. सुमीत द्वारा कविता रची जाती है। स. भाववाच्य	
प्रश्न 5	रेखांकित 'पद-परिचय' पर आधारित **<u>किन्हीं चार प्रश्नों</u>** के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-	4X1=4
क	'दादी जी प्रतिदिन समाचार पत्र **<u>पढ़ती</u>** है'।-रेखांकित का पद परिचय लिखिए ।	
ख	'रोहन **<u>यहाँ</u>** नहीं आया था।'-रेखांकित पद का परिचय लिखिए ।	
ग	**'<u>वे</u>** मुंबई जा चुके हैं।'-रेखांकित पद का परिचय लिखिए ।	
घ	**'<u>परिश्रमी</u>** अंकिता अपना काम समय से पूरा कर लेती है।'-रेखांकित पद का परिचय लिखिए ।	
ड़	'आजकल **<u>प्रदूषण</u>** तेजी से फैल रहा है।'-रेखांकित पद का परिचय लिखिए ।	
प्रश्न 6	निर्देशानुसार अलंकार पर आधारित **<u>किन्हीं चार</u>** प्रश्नों के दीजिए-	4X1=4
क	जिस अलंकार में मनो, मानहु, जनो, जानहु आदि शब्द आए वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?	
ख	'उषा सुनहले तीर बरसती, जयलक्ष्मी सी उदित हुई।' में कौन-सा अलंकार है?	
ग	"कढ़त साथ म्यान तें, असि रिपु तन ते प्रान" पंक्ति में अलंकार बताइए ।	
घ	वृक्षों की टहनियां बादल से बातें करती है। इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?	
ड़	बाल समय रबि भक्षि लियो तब। तीनहूँ लोक भयो अंधियारो।। इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है-	
खण्ड-ग पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक		
प्रश्न 7	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए।	5X1=5
	वैदिक इतिहास में शहनाई का कोई उल्लेख नहीं मिलता। इसे संगीत शास्त्रांतर्गत 'सुषिर-वाद्यों' में गिना जाता है। अरब देश में फूंककर बजाए जाने वाले वाद्य जिसमें नाड़ी (नरकट या रीड) होती है, को 'नय' बोलते हैं। शहनाई को 'शाहेनय' अर्थात् 'सुषिर वाद्यों में शाह' की उपाधि दी गई है। सोलहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में तानसेन के द्वारा रची बंदिश, जो संगीत राग कल्पद्रुप से प्राप्त होती है, में शहनाई, मुरली, वंशी, श्रृंगी एवं मुरछंग आदि का वर्णन आया है। अवधी पारंपरिक लोकगीतों एवं चैती में शहनाई का उल्लेख बार-बार मिलता है। मंगल का परिवेश प्रतिष्ठित करने वाला यह वाद्य इन जगहों पर मांगलिक विधि-विधानों के अवसर पर ही प्रयुक्त हुआ है। दक्षिण भारत के मंगल वाद्य 'नागस्वरम्' की तरह शहनाई, प्रभाती की मंगलध्वनि का संपूरक है। शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सज़दे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते है।	
	(1) 'सुषिर – वाद्य' का क्या अर्थ है? (क) जो मधुर ध्वनि उत्पन्न करते हों (ख) जो फूंक कर बजाए जाने वाले वाद्य हों (ग) हारमोनियम की तरह के वाद्यों को सुषिर वाद्य कहते हैं (घ) जो वाद्य देखने में सुंदर हो **(2) 'शाहेनय' किस वाद्य को कहा जाता है?** (क) शहनाई को (ख) सितार को (ग) तबले को (घ) हारमोनियम को	
	(3) किस भाषा के लोकगीतों में शहनाई का उल्लेख मिलता है ? (क) ब्रज भाषा (ख) अवधी भाषा (ग) छत्तीसगढ़ी (घ) भोजपुरी	
	(4) शहनाई की ध्वनि कैसी है? (क) मंगल ध्वनि (ख) मधुर ध्वनि (ग) कर्कश ध्वनि (घ) इनमें से कोई नहीं।	
	(5) बिस्मिल्ला खाँ अस्सी बरस से ख़ुदा से किस चीज की माँग कर रहे हैं ? (क) शहनाई की (ख) धन एवं शौहरत की (ग) सुरों की (घ) सुषिर वाद्य की	

प्रश्न 8	गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से **<u>किन्ही तीन</u>** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-	2X3=6
	(क) शहनाई और डुमरांव एक दूसरे के पूरक है। कैसे?	
	(ख)'सफेदपोश' शब्द का अर्थ लिखकर बताइए कि रेल में सामने की बर्थ पर बैठे सज्जन खीरा खाने में संकोच क्यों कर रहे थे?	
	(ग) मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है इस कथन को संक्षेप में समझाइए।	
	(घ) कार्तिक मास में बालगोबिन भगत की कौन- सी संगीत यात्रा प्रारंभ होती थी? यह संगीत यात्रा किस स्तर पर किस वक्त संपन्न होती थी?	
प्रश्न 9	**निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-**	5X1=5
	लखन कहा हसि हमरे जाना । सुनहु देव सब धनुष समाना ।। का छतिलाभु जून धनु तोरें । देखा राम नयन के भोरें ।। छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू । मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ।। बोले चितै परसु की ओरा । रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।। बालकु बोलि बधौं नहि तोही । केवल मुनि जड़ जानहि मोही ।। बाल ब्रह्मचारी अति कोही । बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही ।। भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही । बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही । । सहसबाहु भुज छेदनिहारा । परसु बिलोकु महीपकुमारा ।। मातुपितहि जनि सोच बस करसि महीसकिसोर ।। गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।।	
	(1) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त यह संवाद किन के बीच है? (क) राम और परशुराम के बीच (ख) लक्ष्मण और परशुराम के बीच (ग) राम और लक्ष्मण के बीच (घ) तीनों के बीच	
	(2) परशुराम के स्वभाव में क्या विशेषता नहीं थी? (क) दुर्बल योद्धा (ख) क्रोधी (ग) बाल ब्रह्मचारी (घ) क्षत्रियों के प्रबल विरोधी	
	(3) परशुराम ने अपने फरसे से क्या नहीं किया? (क) क्षत्रिय कुल की रक्षा (ख) क्षत्रिय कुल का विनाश (ग) सहस्त्रबाहु की भुजाओं का नाश (घ) माता की गर्दन काटी	
	(4) धनुष खंडित होने का कारण बताया गया है ? (क) पुराना धनुष होना (ख) नया धनुष होना (ग) राम का शिवभक्त होना (घ) परशुराम से मित्रता होना	
	(5) परशुराम ने किसे भयानक बताया है? (क) लक्ष्मण को (ख) राम को (ग) स्वयं को (घ) फरसे को	
प्रश्न10	पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-	2X3=6
	(क) संगतकार का स्वर किन- किन परिस्थितियों में मुख्य गायक के स्वर को ढांढ़स बंधाता है?	
	(ख) दंतुरित मुस्कान से बच्चे की उम्र का अनुमान लगाइए और तर्क सहित उत्तर लिखिए।	
	(ग) गोपियों के अनुसार राजधर्म क्या होना चाहिए?	
	(घ) कवि को 'आत्मकथ्य' के माध्यम से अपनी गागर खाली होती हुए क्यों प्रतीत होती है? उनके अनुसार उसका रस लेकर अपनी भरने वालों के रूप में किन लोगों का डर है?	
प्रश्न11	**पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए-**	4X2=8
	(क) 'माता का अंचल' पाठ में ग्राम्य संस्कृति के जिस रूप का चित्रण है- वह आधुनिक युग में पर्याप्त अंशों में परिवर्तित हो चुका है। परिवर्तित रूप से कुछ उदाहरण देते हुए इस कथन के समर्थन में अपने विचार लिखिए।	

	(ख)'साना साना हाथ जोड़ि' यात्रा वृतांत में वर्णित ऐसी घटना का उल्लेख कीजिए जिसने आपको बहुत प्रभावित किया हो?	
	(ग) लेखक के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है। क्यों?	
खण्ड-घ रचनात्मक लेखन		
प्रश्न12	**निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए**	6X1=6
	(क) समय का महत्व **संकेत बिंदु :** समय का महत्व , समय नियोजन , समय गंवाने की हानियाँ	
	(ख) मेक इन इण्डिया संकेत बिन्दु : वस्तुओं का भारत में निर्माण, आरम्भ और लक्ष्य	
	(ग) महानगरीय जीवन **संकेत बिंदु :** विकास की अंधी दौड़, संबंधों का ह्रास, दिखावा	
प्रश्न13	पढ़ाई का सत्र प्रारंभ हो चुका है किंतु बाजार में पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध नहीं है। इस समस्या को उठाते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **अथवा** आगामी ओलंपिक खेलों की तैराकी प्रतिस्पर्धा के लिए आपके मित्र का चयन हो गया है | उसे प्रोत्साहन देते हुए 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।	5X1=5
प्रश्न14	आप विनीता गुर्जर है। आपने रसायन शास्त्र विषय में स्नातकोत्तर किया हुआ है तथा पीएचडी कर रही हैं। नवभारत टाइम्स में जयपुर के विद्याश्रम विद्यालय में स्नातकोत्तर शिक्षक (रसायनशास्त्र) के रिक्त पद के लिए विज्ञापन प्रकाशित हुआ है। इसके लिए लगभग 80 शब्दों में एक स्ववृत्त तैयार कीजिए। **अथवा** आपके शहर में बढ़ रहे संचारी रोगों के कारण नगरवासी बीमार हैं। इस पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।	5X1=5
प्रश्न15	'कस्तूरी सुगंधित तेल' का सुन्दर विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए। **अथवा** किसी दूसरे शहर में रहकर नौकरी कर रहे अपने बड़े भाई के परिवार को आने वाली होली की शुभकामनाएँ देते हुए लगभग 60 शब्दों में एक संदेश तैयार कीजिए|	4X1=4